

विद्युत सुरक्षा निदेशालय

(कार्य पत्रक प्रमाण पत्र)

(राज्य सरकार से अनुज्ञप्ति लाइसेंस प्राप्त ठेकेदार द्वारा भरा जायेगा)

उपभोक्ता/ स्वामी का नाम

Aditya Mishra

पिता/पति का नाम

279

Shri Vijay Mohan Mishra

पता

Adol Mishra Kaban

परिसर की अवस्थिति

Shahabud Madani

वोल्टता और प्रदाय की प्रणाली

(1) वोलता

110V.

(2) कलाओं (फेजों) की संख्या

3 Ph

(3) ए० सी/डी० सी

A-C

वायरिंग का प्रयोजन-

वायरिंग का प्रकार (बैटन, कन्ड्युट इत्यादि)

PTW 7.5 M

संस्थापन की विशिष्टियां :-

क्र. संख्या	आइटम	220/ 230 वोल्ट्स						400/ 440 वोल्ट्स		उच्च/अति उच्च वोल्टता संस्थापन
		फेज 1		फेज 2		फेज 3		वोल्ट्स		
		संख्या	कुल वाट्स	संख्या	कुल वाट्स	संख्या	कुल वाट्स	संख्या	कुल क्षमता	
1.	बलियों के प्वाइंट	2x60=120								
2.	पंखों के प्वाइंट									
3.	प्लग प्वाइंट									
4.	मोटरें/ जनरेटर्स									
5.	फ्रिज/कूलर									
6.	टीवी									
	ए०सी०									
	योग									

(120 + 5595 = 5715 watt)

II अन्य उपस्कर (पूरा ब्यौरा दिया जाये)

(1)

(2)

कुल संयोजित भार किलो वाट में - 5715

अधिकतम करंट मांग एम्पियर में - 12.5

(कुल संयोजित भार के आधार पर)

के.जी. एसोसिएट

मीराबस्ती शाहाबाद-हरदोई

KG ASSOCIATE

Proprietor

टेकेदार द्वारा विद्युत्सुरोधी प्रतिरोधी के परीक्षण का परिणाम—

फेज— 1 व अर्थ

फेज— 1 व अर्थ

फेज— 1 व अर्थ

(i) फेज एवं अर्थ के बीच—

(ii) न्यूट्रल एवं अर्थ के बीच—

फेज— 1 व अर्थ

फेज— 1 व अर्थ

फेज— 1 व अर्थ

(iii) तारों के मध्य—

नियम 29 —

- (1) बतायें कि वायरिंग का कार्य, प्रयुक्त सामग्री तथा उपकरण भारतीय मानक संस्थान की व्यवहार संहिता के अनुसार है।
- (2) बतायें कि प्रत्येक सर्किट अलग-अलग स्विचों द्वारा नियंत्रित है।
- (3) बतायें कि समस्त रिच विद्युत्सुरोधी बालकों पर लगाये गये हैं।

नियम 32—

बतायें कि दो तार प्रणाली का अर्थवायर तथा बहुतार प्रणाली के भूसम्पर्कित न्यूट्रल वायर पर स्थायी प्रकृति का सूचक लगाया गया है जिससे कि ऐसे चालक को विद्युत्सुरोधी (जीवन्त) चालक से सुभिन्न किया जा सके।

सत्यापन प्रमाण- पत्र

मैं/ गौरव सूरि लाइसेंस प्राप्त विद्युत् टेकेदार, लाइसेंस संख्या HI-124

निम्न का सत्यापन करते हुए घोषणा करते हैं—

- (अ) कि पूर्वोक्त विद्युत् संस्थापन टेस्टिंग का कार्य मेरे द्वारा किया गया है।
- (ब) पूर्वोक्त अंकित संस्थापन का विद्युत् सुरोधी प्रतिरोधी का परीक्षण मेरे/हमारे सुपरवाइजर द्वारा किया गया है एवं उसका परीक्षण परिणाम मेरे/हमारे सुपरवाइजर द्वारा अंकित किये गये हैं।
- (ग) संस्थापन कार्य भारतीय विद्युत् नियम, 1956 एवं भारतीय मानक संस्थान की व्यवहार संहिता के प्राविधानों के अनुरूप किया गया है।
- (द) उपरोक्त कार्य मेरे/हमारे निम्नांकित स्टाफ द्वारा किया गया है—

वायरमैन का नाम

पर्यवेक्षक का नाम

प्रमाण पत्र सं०

वैद्यता की तिथि

.....

.....

.....
हस्ताक्षर

वायरमैन का नाम

प्रमाण पत्र सं०

वैद्यता की तिथि

टेकंदार द्वारा विद्युत्सोधी प्रतिरोधी के परीक्षण का परिणाम-

फेज- 1 व अर्थ

फेज- 1 व अर्थ

फेज- 1 व अर्थ

(i) फेज एवं अर्थ के बीच-

(ii) न्यूट्रल एवं अर्थ के बीच-

फेज- 1 व अर्थ

फेज- 1 व अर्थ

फेज- 1 व अर्थ

(iii) तारों के मध्य-

नियम 29 -

- (1) बतायें कि वायरिंग का कार्य, प्रयुक्त सामग्री तथा उपकरण भारतीय मानक संस्थान की व्यवहार संहिता के अनुसार है।
- (2) बतायें कि प्रत्येक सर्किट अलग अलग स्विचों द्वारा नियंत्रित है।
- (3) बतायें कि समस्त स्विच विद्युत्समय चालकों पर लगाये गये हैं।

नियम 32-

बतायें कि दो तार प्रणाली का अर्थवायर तथा बहुतार प्रणाली के भूसम्पर्कित न्यूट्रल वायर पर स्थायी प्रकृति का सूचक लगाया गया है जिससे कि ऐसे चालक को विद्युत्समय (जीवन्त) चालक से सुभिन्न किया जा सके।

सत्यापन प्रमाण- पत्र

मैं/ गौरव सूरी लाइसेंस प्राप्त विद्युत् टेकंदार, लाइसेंस संख्या HI-124

निम्न का सत्यापन करते हुए घोषणा करते हैं-

- (अ) कि पूर्वोक्त विद्युत् संस्थापन टेस्टिंग का कार्य मेरे द्वारा किया गया है।
- (ब) पूर्वोक्त अंकित संस्थापन का विद्युत् सोधी प्रतिरोधी का परीक्षण मेरे/हमारे सुपरवाइजर द्वारा किया गया है एवं उसका परीक्षण परिणाम मेरे/हमारे सुपरवाइजर द्वारा अंकित किये गये हैं।
- (ग) संस्थापन कार्य भारतीय विद्युत् नियम, 1956 एवं भारतीय मानक संस्थान की व्यवहार संहिता के प्राविधानों के अनुरूप किया गया है।
- (द) उपरोक्त कार्य मेरे/हमारे निम्नांकित स्टाफ द्वारा किया गया है-

वायरमैन का नाम

पर्यवेक्षक का नाम

प्रमाण पत्र सं०

वैद्यता की तिथि

मो. 97960-7116

12074

13/11/2024
हस्ताक्षर

वायरमैन का नाम

प्रमाण पत्र सं०

वैद्यता की तिथि